डीजीपी कॉन्फ्रेंसः समापन सत्र में प्रधानमंत्री का ऐलान, तकनीक में दक्ष युवाओं से मदद लेने का आह्वान

पुलिस तकनीक मिशन बनेगा

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भविष्य की तकनीकों को जमीनी स्तर की पुलिस आवश्यकताओं के अनुरूप ढालने के लिए गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में एक हाई पावर पुलिस टेक्नोलॉजी मिशन गठित करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस की रोजमर्रा की समस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने उच्च तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओं की मदद लेने को भी कहा है।

विश्लेषण से सीख लेंः प्रधानमंत्री रविवार को 56वीं अखिल भारतीय डीजीपी कॉन्फ्रेंस के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। लखनऊ में गोमतीनगर विस्तार स्थित पुलिस मुख्यालय में आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री दो दिनों तक मौजूद रहे। तीसरे दिन समापन सत्र में उन्होंने पुलिस से संबंधित सभी घटनाओं के विश्लेषण तथा सीखने की इस प्रक्रिया को संस्थागत करने पर बल दिया। हाइब्रिड प्रारूप में कॉन्फ्रेंस के आयोजन की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि इससे विभिन्न स्तर के अफसरों के बीच सूचनाओं का प्रवाह सुगम हुआ है।

ड्रोन तकनीक अपनाएंः प्रधानमंत्री ने देश भर की पुलिस फोर्स के लाभ के लिए अंतर संचालन योग्य तकनीकों के विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ड्रोन तकनीक का उपयोग लोगों के लाभ के लिए किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 में लागू स्मार्ट पुलिसिंग की नियमित समीक्षा करने और उसमें लगातार बदलाव लाते हुए उसे संस्थागत करने पर जोर दिया। सामान्य लोगों के जीवन में तकनीक के महत्व को रेखांकित करने के लिए प्रधानमंत्री ने कोविन, जेम और यूपीआई के उदाहरण दिए।

पदक दिएः प्रधानमंत्री ने आईबी के कर्मचारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक प्रदान किए। प्रधानमंत्री के निर्देश पर पहली बार कई राज्यों के आईपीएस अधिकारियों ने समसामयिक सुरक्षा मुद्दों पर लेख प्रस्तुत किए। इससे पूर्व, 19 नवंबर को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस सम्मेलन का उद्घाटन किया था। कॉन्फ्रेंस में करीब 400 वरिष्ठ अफसर वर्चुअली जुड़े।

➤ प्रधानमंत्री ने पुलिस को राह दिखाई पेज 02

लखनऊ में रविवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित हुई डीजीपी कॉन्फ्रेंस के समापन सत्र में उपस्थित गृहमंत्री अमित शाह, देश के सभी राज्यों के डीजीपी और अन्य। ● हिन्दुस्तान

56 वीं डीजीपी कॉन्फ्रेंस तीन दिन चली

62 शीर्ष पुलिस अफसर आए कॉन्फ्रेंस में

थानों की छवि सुधारने पर प्रधानमंत्री का जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में पुलिस थानों की छवि सुधारने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस की छवि इससे बेहतर बनेगी।

सहभागिता

प्रधानमंत्री ने कॉन्फ्रेंस के कई सत्रों की चर्चाओं में प्रतिभाग किया तथा अपने सुझाव दिए। आतंकवाद, वामपंथी उग्रवाद, जेल सुधार, साइबर अपराध, नारकोटिक्स ट्रैफिकिंग, एनजीओ को विदेशी फंडिंग और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर कई कोर ग्रुप बनाए गए।

सराहना

सामान्य लोगों के जीवन में तकनीक के महत्व को रेखांकित करने के लिए प्रधानमंत्री ने कोविन,जेम और यूपीआई के उदाहरण दिए। उन्होंने कोविड महामारी के बाद पुलिस के व्यवहार में जनता के प्रति आए सकारात्मक बदलाव की प्रशंसा की।

> पुलिसिंग और राष्ट्रीय सुरक्षा के विविध मुद्दों पर शीर्ष पुलिस अफसरों के साथ विचार-मंथन करने का अवसर मिला। इस सहभागिता ने कॉन्फ्रेंस को अच्छा प्लेटफॉर्म बना दिया।
> -नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री